संपादकीय

आरक्षण और योग्यता

नीट पीजी परीक्षा में आरक्षण को दो सप्ताह पूर्व झंडी दे चुके सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले की तार्किक व्याख्या व्यापक संदर्भों में की है। दरअसल, इस फैसले में देरी की वजह से जूनियर डाक्टरों ने दिल्ली में व्यापक आंदोलन किया था। उसके बाद सात जनवरी को एक फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने नीट पीजी में 27 फीसदी ओबीसी और दस फीसदी ईडब्ल्यूएस कोटे को मंजूरी दे दी थी। लेकिन कोर्ट ने तब अपने फैसले की तार्किक व्याख्या नहीं की थी। अब कोर्ट ने आरक्षण की सामाजिक न्याय की अवधारणा समेत तमाम सवालों के जवाब देने का प्रयास किया। सबसे महत्वपूर्ण यह कि योग्यता को प्रतियोगी परीक्षा के नतीजे की संकीर्ण परिभाषा तक सीमित नहीं रखा जा सकता क्योंकि इन परीक्षाओं से अवसर की औपचारिक समानता ही हासिल होती है। कोर्ट ने कहा कि आरक्षण और योग्यता में कोई अंतर्विरोध नहीं है बल्कि आरक्षण सामाजिक न्याय की अवधारणा को पुष्ट करके योग्यता का संवर्धन ही करता है। दरअसल, न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति एएस बोपन्ना की पीठ का मानना था कि स्नातक हो जाने से किसी व्यक्ति की सामाजिक व आर्थिक स्थिति नहीं बदल जाती। उनकी कमजोर पृष्ठभूमि के मद्देनजर आरक्षण देने की जरूरत महसूस होती है। साथ ही यह भी तर्क दिया कि जब अन्य स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में आरक्षण लागू है तो नीट में भी दिया जाना चाहिए। दरअसल, अदालत का मानना था कि योग्यता व आरक्षण परस्पर विरोधी नहीं हैं। महज प्रतियोगी परीक्षा के ही अंकों को योग्यता का मापदंड नहीं माना जा सकता। उसे सामाजिक रूप से भी प्रासंगिक बनाने की जरूरत है। अदालत ने संविधान निर्माताओं की आरक्षण अवधारणा को पुष्ट करते हुए कहा कि देश में पिछड़ापन दूर करने के लिये आरक्षण देना प्रासंगिक है। अपवाद को स्वीकार करते हुए अदालत का मानना था कि संभव है कि कुछ लोग ऐसे हो सकते हैं जो पिछड़े न होते हुए भी आरक्षण का लाभ उठा रहे हों, लेकिन व्यापक अर्थों में आरक्षण की तार्किकता को नकारा नहीं जा सकता।

दरअसल, कोर्ट की यह व्याख्या इस मायने में भी महत्वपूर्ण है कि ओबीसी आरक्षण व आर्थिक आधार पर आरक्षण का मामला अदालत में विचाराधीन होने के बावजूद केंद्रीय परीक्षाओं में इसे लागू करने के लिये अब अदालत की मंजूरी लेने की आवश्यकता नहीं होगी। दरअसल, अदालत में आरक्षण से जुड़े कई मामलों में याचिका दायर की गई थी। इसमें ईडब्ल्यूएस कोटे का लाभ आठ लाख से कम सालाना आय वालों को दिये जाने के आधार पर सवाल खड़े किये गये थे। दलील दी गई थी कि इतनी आय वाला परिवार आर्थिक रूप से पिछड़ा नहीं हो सकता। इस बाबत केंद्र ने कोर्ट को बताया था कि यह मानक तार्किक है। साथ ही कोर्ट ने यह भी कहा कि सरकार ने नीट पीजी की काउंसलिंग से पहले आरक्षण लागू कर दिया था, ऐसे में यह नियम विरुद्ध नहीं कहा जा सकता। साथ की पीठ ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि इस मामले में अदालत को पुनः समीक्षा करने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि नीट पीजी में ओबीसी और ईडब्ल्यूएस आरक्षण संवैधानिक रूप से मान्य है। इसी क्रम में कोर्ट ने योग्यता व आरक्षण के मुद्दे पर व्यापक दृष्टि को परिभाषित भी किया। कोर्ट का मानना था कि कोई परीक्षा व्यक्ति की वर्तमान सक्षमता को ही दर्शाती है, उसकी क्षमताओं, उत्कृष्टता व सामर्थ्य को पूरी तरह परिभाषित नहीं करती। इसको समृद्ध करने में अनुभव, बाद का प्रशिक्षण और व्यक्ति गत चरित्र की भी भूमिका होती है। इसके साथ ही मानवीय मूल्यों को जोड़कर अदालत ने टिप्पणी की कि उच्च अंक हासिल करने वाला उम्मीदवार यदि अपनी प्रतिभा का उपयोग अच्छे कार्य करने के लिये नहीं करता तो उसे मेधावी नहीं कहा जा सकता। वैसे योग्यता एक सामाजिक अच्छाई है और इसका संरक्षण जरूरी है। वहीं न्यायालय का स्पष्ट मानना था कि इस मामले में न्यायिक हस्तक्षेप से इस साल की प्रवेश परीक्षा प्रक्रिया में देरी हो सकती थी। सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि देश इस समय महामारी की चुनौती से जूझ रहा है और देश को अधिक डॉक्टरों की जरूरत है। कुल मिलाकर अदालत ने योग्यता को सामाजिक रूप से प्रासंगिक बनाने पर बल दिया।

महिला एशिया कप में भारत के सभी मैच रद्द

मुंबई,24 जनवरी । महिला एशियाई कप फुटबॉल में भारतीय टीम के सारे मैच रद्द माने जायेंगे चूंकि टीम में कोरोना संक्रमण के मामले आने के कारण मेजबान ने नाम वापिस ले लिया ।

भारतीय टीम चीनी ताइपै के खिलाफ पूरी टीम उतारने की स्थिति में नहीं थी क्योंकि उसके 12 खिलाड़ी कोरोना संक्रमण की चपेट में आ गए हैं । एशियाई फुटबॉल परिसंघ ने इसके एक दिन बाद जारी बयान में पुष्टि की कि दिशा निर्देशों के अनुसार माना जायेगा कि भारत ने टूर्नामेंट से नाम वापिस ले लिया है ।

एएफसी ने कहा ,'' चीनी ताइपै और भारत के बीच महिला एशियाई कप 2022 का ग्रुप ए का मैच रद्द होने के बाद कोरोना महामारी के बीच एएफसी प्रतियोगिताओं पर लागू विशेष नियमों की धारा 4 . 1 के अनुसार माना जायेगा कि भारत ने टूर्नामेंट से नाम वापिस ले लिया है ।''

इसमें कहा गया ,'' भारत के सभी मैच अब रद्द माने जायेंगे ।''

इसमें यह भी कहा गया कि भारत का ईरान के खिलाफ हुआ एकमात्र मैच अब ग्रुप की अंतिम तालिका तैयार करते समय गिना नहीं जायेगा ।

भारत ग्रुप ए में चीन, चीनी ताइपै और ईरान के साथ था । अब इस ग्रुप में तीन ही टीमें मानी जायेंगी ।

बयान में कहा गया ,'' तीसरे स्थान की सभी टीमों के बीच अंतिम तुलना में किसी पक्षपात की संभावना से बचने के लिये ग्रुप बी और सी की पहले , दूसरे और तीसरे स्थान की टीमों का चौथे स्थान की टीम के खिलाफ मैच नहीं गिना जायेगा ।''

स्मृति मांधना को आईसीसी ने साल की सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर चुना

नईदिल्ली । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सलामी बल्लेबाज स्मृति मांधना को आईसीसी ने साल की सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर चुना है। आईसीसी ने सोमवार को बयान जारी कर इस बात का ऐलान किया।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सलामी बल्लेबाज स्मृति मांधना को आईसीसी ने साल की सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर चुना है। आईसीसी ने सोमवार को बयान जारी कर इस बात का ऐलान किया। भारत की इस बल्लेबाज ने बीते साल कुल 22 इंटरनेशनल मैच खेले थे। इतने मैचों में स्मृति ने 38.86 की औसत से 855 रन बनाए थे। इस दौरान उन्होंने एक शतक और पांच अर्धशतक जमाए।

स्मृति ने बीते साल खेल के तीनों प्रारूपों में शानदार बल्लेबाजी की और इसी कारण आईसीसी ने उन्हें रचेल हेहो फ्लिंट ट्रॉफी के लिए चुना है। मांधना को भारत की बेहतरीन बल्लेबाजों में गिना जाता है और उन्होंने साल दर साल अपने प्रदर्शन से अपनी अहमितय को बढ़ाया है।

भारतीय डिजिटल अवसंरचना में 2025 तक 23 अरब डॉलर निवेश की जरूरत

नईदिल्ली । देश में डिजिटल सेवाओं की बढ़ती मांग और ऑनलाइन उपयोग को समर्थन देने के लिए डिजिटल अवसंरचना क्षेत्र में 2025 तक 23 अरब अमेरिकी डॉलर तक के निवेश की जरूरत है।

डिजिटल अवसंरचना प्रदाता संघ (डीआईपीए) के सहयोग से हाल में जारी अर्नेस्ट एंड यंग (ईवाई) की एक संयुक्त रिपोर्ट में कहा गया है कि लोगों को ऑनलाइन जोड़ने के लिए 2025 तक भौतिक डिजिटल अवसंरचना में महत्वपूर्ण निवेश जरूरी है।

ईवाई के लीडर प्रशांत सिंघल ने कहा, ''स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी, शिक्षा प्रौद्योगिकी, उपभोक्ता प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में भारत अग्रणी है। हमारा ई-कॉमर्स बाजार 200 अरब डॉलर का होगा, और शिक्षा प्रौद्योगिकी बाजार 12 अरब डॉलर का हो जाएगा।''

उन्होंने आगे कहा कि भारत डिजिटल नवाचार कर रहा है और इस क्रांति के लिए डिजिटल अवसंरचना की जरूरत है। टॉवर कंपनियां खुद को डिजिटल अवसंरचना कंपनियों में बदल रही हैं। इसके लिए अगले 3-5 वर्ष में 23 अरब अमेरिकी डॉलर तक के निवेश की आवश्यकता होगी।

आधी हो जाएगी इलेक्ट्रिक वाहनों की कीमत, आईआईटी ने विकसित किया ऑन बोर्ड चार्जर

नईदिल्ली। देश में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की उपलब्धता को आसान बनाने के लिए आईआईटी बीएचयू ने ऑन बोर्ड चार्जर की नई तकनीक विकसित की है। इसकी मदद से सभी दो पहिया व चार पहिया इलेक्ट्रिक वाहनों की कीमत आधी रह जाएगी।

बीएचयू में कार्यरत टीम ने लैब स्तर पर तकनीक का सफल परीक्षण कर लिया है। बस सुधार और व्यवसाय के स्तर पर काम चल रहा है। तकनीक में आईआईटी गुवाहाटी और आईआईटी भुवनेश्वर के विशेषज्ञ भी सहयोग कर रहे हैं। वहीं देश की प्रमुख इलेक्ट्रिक व्हीकल निर्माता कंपनियों ने तकनीक में रुचि दिखाई है।

अभी कंपनियां इलेक्ट्रिक व्हीकल में ऑन बोर्ड चार्जर को शामिल करती हैं। देश में उच्च शक्ति की बोर्ड चार्जिंग सुविधा की कमी होने से वाहनों को आउटलेट पर ही चार्ज करना पड़ता है। ऐसे में ये वाहन काफी महंगे हो जाते हैं। नई तकनीक से वाहन में अभी भी ऑन बोर्ड चार्जर होगा, लेकिन उसकी चार्जिंग क्षमता कम शक्ति की होगी। ऐसे में इलेक्ट्रिक वाहनों की कीमत 50 फीसदी तक कम हो जाएगी।

आईआईटी बीएचयू के मुख्य परियोजना अन्वेषक डॉ. राजीव कुमार सिंह ने कहा कि पेट्रोल के बढ़ते दाम और प्रदूषण स्तर में वृद्धि को देखते हुए इलेक्ट्रिक व्हीकल एक बेहतर विकल्प है। इस तकनीक से ऑन बोर्ड चार्जर की कीमत अपने आप 40 से 50 फीसदी तक कमी हो जाएगी। इसका प्रभाव यह पड़ेगा कि ईंधन पर निर्भरता कम होगी। अभी व्यावसायिक उत्पाद तैयार करके इसे मौजूदा इलेक्ट्रिक वाहनों पर लगाने की बात चल रही है।

बाबर आईसीसी वर्ष के सर्वश्रेष्ठ वनडे क्रिकेटर

दुबई । पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम को सोमवार को वर्ष का सर्वश्रेष्ठ आईसीसी एक दिवसीय क्रिकेटर चुना गया जिन्होंने 2021 में छह मैचों में 67 . 50 की औसत से 405 रन बनाये । आजम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2 . 1 से मिली जीत में 228 रन बनाये और दोनों मैचों में जीत में प्लेयर आफ द मैच चुने गए । पहले वनडे में उन्होंने शतक लगाया और आखिरी वनडे में 82 गेंद में 94 रन की पारी खेली ।

इंग्लैंड के खिलाफ 0 . 3 से मिली हार में पाकिस्तान के लिये अकेले वही डटकर बल्लेबाजी करते रहे । उन्होंने तीन मैचों में 177 रन बनाये लेकिन दूसरे छोर से उन्हें सहयोग नहीं मिल सका । आखिरी वनडे में उन्होंने इमामुल हक के साथ 92 रन की साझेदारी की । उन्होंने पहले 50 रन 72 गेंद में और अगले 50 रन 32 गेंद में पूरे किये जो इस साल उनका दूसरा शतक था । वहीं दक्षिण अफ्रीका के मराइस इरास्मस को तीसरी बार वर्ष का सर्वश्रेष्ठ अंपायर चुना गया । वह 2016 और 2017 में भी यह पुरस्कार जीत चुके हैं । वह भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच हाल ही में संपन्न श्रृंखला में भी अंपायर थे ।

कोहली ने मीडिया से बेटी वमिका की तस्वीरें न छापने का किया अनुरोध

केपटाउन । भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने सोमवार को मीडिया से अनुरोध किया कि उनकी बेटी वमिका की तस्वीरें नहीं छापे। उन्होंने कहा कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे वनडे के दौरान प्रायोजकों द्वारा दिखाई गई उनकी बेटी की तस्वीरें उनके लिये भी हैरानी का सबब थी। कोहली और उनकी पत्नी अनुष्का शर्मा ने बार-बार मीडिया से उनकी बेटी की तस्वीरें नहीं छापने की अपील की है। रविवार को तीसरे वनडे के दौरान कोहली के अर्धशतक के बाद कैमरा अनुष्का पर चला गया जिनकी गोद में उनकी बेटी वमिका थी। मिनटों के भीतर ही वीडियो वायरल हो गया और ट्विटर पर हैशटैग वमिका ट्रेंड करने लगा। वमिका के चेहरे के स्क्रीनशॉट भी सोशल मीडिया पर साझा किये गए। कोहली और अनुष्का ने इंस्टाग्राम पर लिखा,'हमें लगता है कि कल स्टेडियम पर हमारी बेटी की तस्वीरें व्यापक तौर पर साझा की गई। हम सभी को बताना चाहते हैं कि हमें पता नहीं था कि कैमरा हम पर है। इस मामले पर हमारा नजरिया और अनुरोध पहले की

तरह की है। उन्होंने कहा,'वमिका की तस्वीरें अगर नहीं ली जायेंगी और प्रकाशित नहीं की जायेंगी तो हम आपके आभारी होंगे। धन्यवाद। पिछले महीने दक्षिण अफ्रीका रवाना होने से पहले भी कोहली ने मीडिया से यह अनुरोध किया था। पिछले साल इंस्टाग्राम पर 'आस्क मी एनिथिंग सत्र में इस बारे में पूछे जाने पर कोहली ने कहा था,'हमने तय किया है कि जब तक हमारी बेटी को सोशल मीडिया की समझ नहीं हो जाती और वह खुद फैसला नहीं लेती, हम उसे इससे दूर रखेंगे।अभिनेत्री अनुष्का शर्मा ने भी लोगों से उनकी बेटी की तस्वीरें खींचने या प्रकाशित नहीं करने का अनुरोध किया है। मैच के प्रसारण के दौरान अनुष्का अपनी बेटी को गोद में लिए दिखाई दी थीं। वामिका का चेहरा पहली बार सार्वजनिक रूप से कैमरे पर दिखाई दिया।

वेब सीरीज द एंड से डेब्यू की तैयारी में अक्षय कुमार

गत वर्ष 5 नवम्बर को अक्षय कुमार बॉलीवुड के पहले ऐसे सितारे बने थे जिनकी फिल्म सूर्यवंशी पूरी तरह से खुले सिनेमाघरों में बड़े स्तर पर प्रदर्शित की गई थी। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की लेकिन यह सिर्फ अपनी लागत को निकालने में सफल हो पाई थी। कोविड के चलते 125 करोड़ में बनी अक्षय कुमार की फिल्म सूर्यवंशी की लागत प्रदर्शन के वक्त तक 170 करोड़ तक पहुँच गई थी। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर लगभग 200 करोड़ का कारोबार किया था। नेटफ्लिक्स ने इस

फिल्म के लिए 75 करोड़ की राशि अदा की थी। इस साल भी अक्षय कुमार दर्शकों के सामने राम सेतु, पृथ्वीराज और बच्चन पांडे के जरिये आने की तैयारी में हैं। फिल्मों के अलावा अक्षय कुमार द एंड नाम की वेब सीरीज से डेब्यू भी करने वाले हैं, जो कि 2023 के मध्य में प्रदर्शित होगी। इस सीरीज का प्री-प्रोडक्शन काम भी मार्च/अप्रैल में चालू होगा। फिलहाल स्क्रिप्ट फाइनल की जा रही है।

रिपोर्ट के मुताबिक इस बारे में और ज्यादा जानकारी देते हुए कहा, टीम ने स्क्रिप्ट पर काफी टाइम लिया है क्योंकि ये एक कॉम्प्लैक्स सेट पर आधारित है जिसमें भविष्य के बारे में भी दिखाया जाएगा। सीरीज एक्शन से भरपूर थ्रिलर होने वाली है, इसमें अक्षय इंसानों को बचाने के लिए समय के साथ दौड़ लगाते नजर आएंगे। राइटिंग का काम बस पूरा होने ही वाला है और सीरीज की शूटिंग जल्दी शुरू करने के लिए चीजों में तेजी लाई जा रही हैं।

शाहिद के साथ पाठशाला में नज़र आ चुकी है श्रद्धा आर्या

टेलीविज़न अभिनेत्री श्रद्धा आर्या इन दिनों हर जगह चर्चाओं का विषय बनी हुई है. वह सुर्खियों का भाग बनी हुई हैं. श्रद्धा हाल ही में शादी के बंधन में बंधी हैं और अपने विवाह की फोटोज सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं. श्रद्धा ने कई टेलीविज़न सीरियल्स में काम करती हुई नज़र आती है मगर उन्हें असली पहचान शो कुंडली भाग्य से मिली है. इस शो में उनके किरदार प्रीता को बहुत प्यार पाया है. वह इस किरदार के कारण से घर-घर में पहचानी जाती हैं. पर क्या आपको पता है श्रद्धा टीवी की दुनिया में कदम रखने से

पहले फिल्मों में अपनी किस्मत आजमा चुकी हैं. जी हां श्रद्धा ने फिल्मों में काम किया है. वह शाहिद कपूर), अमिताभ बच्चन के साथ काम कर चुकी हैं.

श्रद्धा ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत तमिल मूवी कालवनी कढ़ली से की थी. जिसके उपरांत उन्होंने कई तमिल और तेलुगु मूवीज में काम किया है.

आज का राशिफल

मेषः खुद को ज़्यादा आशावादी बनने के लिए प्रेरित करें। इससे न सिर्फ़ आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा बल्कि व्यवहार भी लचीला होगा।

वृषः आसपास के लोगों का सहयोग आपको सुखद अनुभूति देगा। जिन लोगों को आप जानते हैं, उनके जरिए आपको आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे।

मिथुनः आज आप खेलकूद में हिस्सा ले सकते हैं, जो आपको तंदरुस्त बनाए रखेगा। व्यापारियों को आज व्यापार में घाटा हो सकता है।

ककर्ः दोस्तों का रुख़ सहयोगी रहेगा और वे आपको खुश रखेंगे। घर से बाहर निकलकर आज आप खुली हवाओं में टहलना पसंद करेंगे।

सिंहः आज के दिन आप काम को अलग रखकर थोड़ा आराम करें। आज आप आसानी से पैसे इकट्ठा कर सकते हैं। किसी नई परियोजना पर धन लगा सकते हैं।

कन्याः अपने जीवनसाथी के साथ पारिवारिक समस्याओं को साझा करें। आपके बच्चे भी घर में खुशी और सुकून के माहौल को महसूस कर सकेंगे।

तुलाः आपको अपना अतिरिक्त समय अपने शौक पूरे करने या उन कामों को करने में लगाना चाहिए, जिन्हें करने में आपको सबसे ज़्यादा मज़ा आता है।

वृश्चिकः धार्मिक भावनाओं के चलते आप किसी तीर्थस्थल की यात्रा करेंगे। निवेश से फायदा होने की पूरी संभावना है। शाम का ज़्यादातर समय मेहमानों के साथ गुजरेगा।

धनुः आज अगर मुमकिन हो तो सूरज की तेज़ रोशनी से भी बचें। जीवन के बुरे दौर में पैसा आपके काम आएगा।

मकरः आपके पास अपनी सेहत और रूप-रंग को सुधारने के लिए पर्याप्त समय होगा। मनोरंजन से जुड़ी गतिविधियां मज़ेदार रहेंगी।

कुंभः दूसरों की इच्छाएं आपकी अपना खयाल रखने की इच्छा से टकराएंगी। आज आपका सामना कई नई आर्थिक योजनाओं से होगा।

मीनः आज आपके माता-पिता में से कोई आपको धन की बचत करने को लेकर लेक्चर दे सकता है। आप अपने जीवनसाथी को भावनात्मक सहारा दे सकते हैं।

घर पर बनाएं टेस्टी- आंवले का अचार

आंवला कई मायनों में हमारी सेहत के लिए फायदेमंद होता है। इसमें विटामिन सी की अच्छी-खासी मात्रा होती है। आंवले को आप अचार, मुरब्बे और बर्फी जैसे कई तरह से खा सकते हैं। तो आज बनाएंगे आंवले का अचार।

सामग्री :

200 ग्राम आंवला, 150 ग्राम हरी मिर्च, 2 टीस्पून जीरा, 2 टीस्पून राई, 2 टीस्पून सौंफ, 1 टीस्पून काला नमक, 1 टीस्पून सेंधा नमक, 1 टीस्पून सादा नमक, 1 लहसुन की गांठ, 1 इंच अदरक, 1 नींबू का रस

विधि :

आंवले को कुकर में दो सीटी आने तक उबाल लें। ठंडा होने पर बीज अलग कर दें और दरदरा पीस लें।

हरी मिर्च को साफ कपड़े से पोंछकर उसकी डंठल अलग करें और मिक्सी में दरदरा पीस लें।

अब छीले हुए लहसुन और अदरक को मसाले और नमक के साथ मिक्सी में महीन पीस लें।

फिर आंवला, मिर्च और पिसे मसाले को अच्छी तरह मिलाएं। उसमें नींबू का रस डालें और फिर अच्छी तरह मिक्स करें। अचार तैयार है।

शब्द सामर्थ्य- 330

बाएं से दाएं

1. जल छिड़कना, राजा के सिंहासन रोहन का अनुष्ठान 4. मवाद, पीब (अं) 6. जाति 7. हाथ से धीरे-धीरे ठोंकना, थपकना 9. कमल रोग से ग्रसित व्यक्ति (उ.) 11. किरण 12. छौंक, तड़का 13. दुखदायी, दर्दनाक 15. विवाद, कहासुनी, तकरार 18. समूह, दल, समुदाय 19. दण्ड 20. काजल 22. अनाथ, निराश्रित, यतीम 24. दुख, शोक 25. एक प्रसिद्ध सफेद पक्षी, वक 26. राज्य का विदेश में प्रतिनिधि।

ऊपर से नीचे

1. विचित्र, अद्भुत 2. अंदर ही अंदर हानि पहुंचाना 3. वचन, वाणी 4. गुमराह, जो रास्ते से भटक गया हो 5. मुलायम सिंह की पार्टी का संक्षिप्त नाम 8. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध देवर्षि 10. कार्यावली, करस्तानी, प्रशंसनीय कार्य 13. दासी, नौकरानी, बांदी, गुलाम स्त्री 14. प्रवृत्त करने वाला, प्रेरित करने वाला, आविष्कारक 16. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर 17. सामान (उ.) 21. संसार, दुनिया 22. समय, चमेली की जाति का एक पौधा और फूल 23. पराजित, परास्त।

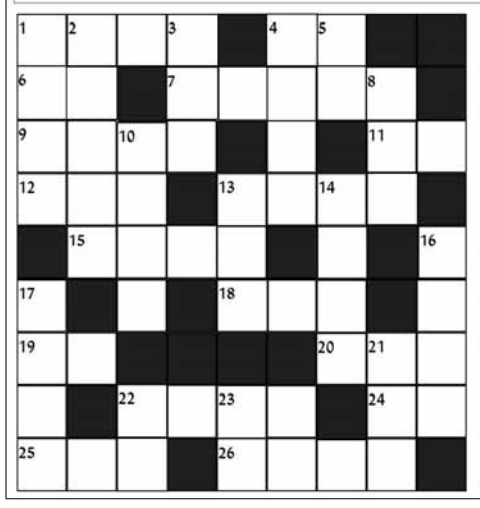

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 329 का हल

दि	क्क	त	■	आ	सा	न	■	आ
ल	■	मी	■	खि	■	सी	ख	ना
■	म	ज	बू	र	■	ह	■	जा
स	र्द	■	■	का	■	त	रा	ना
र	■	■	■	र	वि	■	ह	■
प	ह	ना	ना	■	ना	रा	ज	■
ट	■	■	क	शि	श	■	नी	ला
■	र	■	■	का	■	रा	■	य
खा	ति	र	दा	री	■	त	क्ष	क

सू-दोकू- 330

	1			4			7	
		6	9		2			1
	7			6		8		2
1							8	
	8			5		2		3
3		2			4		1	
	3		2			4		
		8		1	6			7
9			4				2	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र 329 का हल

3	9	6	8	2	5	4	7	1
8	2	5	1	7	4	6	3	9
7	1	4	6	9	3	8	2	5
1	8	9	3	6	7	2	5	4
2	6	7	5	4	8	1	9	3
5	4	3	9	1	2	7	8	6
6	7	2	4	3	9	5	1	8
9	5	1	7	8	6	3	4	2
4	3	8	2	5	1	9	6	7